



# Sri Sathya Sai Sadhana Trust

## Publications Division, Prasanthi Nilayam

### CHAMAKAM

#### 5th Anuvaka

अ॒श्मा॑ च॒ मे॒ मृ॒त्तिका॑ च॒ मे॒  
aśmā ca me mṛttikā ca me  
गि॒रय॑श्च॒ मे॒ पर्व॑ताश्च॒ मे॒  
girayaśca me parvatāśca me  
सि॒कता॑श्च॒ मे॒ वन॑स्पतयश्च॒ मे॒  
sikataśca me vanaspatayaśca me  
हि॒रण्यं॑ च॒ मे॒ ऽय॑श्च॒ मे॒  
hiraṇyam ca me 'yaśca me  
सी॒सं च॒ मे॒ त्र॑पुश्च॒ मे॒  
sīsam ca me trapuśca me  
श्या॒मं च॒ मे॒ लो॒हं च॒ मे॒  
śyāmaṁ ca me loham ca me  
अ॒ग्नि॑श्च॒ म॒ आप॑श्च॒ मे॒  
agniśca ma āpaśca me  
वी॒रुध॑श्च॒ म॒ ओष॑धयश्च॒ मे॒  
vīrudhaśca ma ośadhayaśca me

कृष्टपच्यं च मेऽकृष्टपच्यं च मे  
kr̥ṣṭapacyam̐ ca me'kr̥ṣṭapacyam̐ ca me  
ग्राम्याश्च मे पशव आरण्याश्च  
grāmyāśca me paśava āraṇyāśca  
यज्ञेन कल्पन्तां  
yajñena kalpantām  
वित्तं च मे वित्तिश्च मे  
vittam̐ ca me vittīśca me  
भूतं च मे भूतिश्च मे  
bhūtam̐ ca me bhūtiśca me  
वसु च मे वसतिश्च मे  
vasu ca me vasatiśca me  
कर्म च मे शक्तिश्च मे  
karmā ca me śaktiśca me  
अर्थश्च म एमश्च म  
arthaśca ma emāśca ma  
इतिश्च मे गतिश्च मे ॥५॥  
itiśca me gatiśca me ॥5॥